

ومثاله قول الشاعر:

- ١ - أتري أدعوك من أهـ      واه؟ كل لست أدعوك  
 /ه//ه//ه/      /ه//ه//ه/      /ه//ه//ه/      /ه//ه//ه/
- فاعلاتن      فاعلاتن      فاعلاتن      فاعلاتن
- ٢ - أو تراني أرتجي وصـ      لك يوماً؟ كيف أرجوك؟  
 /ه//ه//ه/      /ه//ه//ه/      /ه//ه//ه/      /ه//ه//ه/
- فاعلاتن      فاعلاتن      فاعلاتن      فاعلاتن

النوع الثالث من مجزوء الرمل: عروضه صحيحة وضربه محذوف:

\_\_\_\_\_ فاعلاتن \_\_\_\_\_ فاعلن

مثاله قول الشاعر:

- ١ - مذ بدا زاد الشجنُ من به قلبي افتتن  
 /ه//ه//ه/      /ه//ه//ه/      /ه//ه//ه/      /ه//ه//ه/
- فاعلاتن      فاعلن      فاعلاتن      فاعلن
- ٢ - رُبَّ هجرانٍ طويلٍ أودع القلب الحزن  
 /ه//ه//ه/      /ه//ه//ه/      /ه//ه//ه/      /ه//ه//ه/
- فاعلاتن      فاعلاتن      فاعلاتن      فاعلن

فإذا تجاوزنا البيت الأول، لأنه مصرع، وقد جاءت عروضه «فاعلن» مناسبة لضربه، فإن البيت الثاني صحيح العروض «فاعلاتن» محذوف الضرب «فاعلن».

النوع الرابع من مجزوء الرمل: عروضه صحيحة وضربه مقصور:

\_\_\_\_\_ فاعلاتن \_\_\_\_\_ فاعلات

مثاله قول شوقي: